अध्याय–19

निगमित सामाजिक दायित्व

स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड

सेल सामाजिक दायित्वों के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस क्षेत्र में प्रमुख गतिविधियां संक्षिप्त में नीचे दी गई हैं।

स्वास्थ्य एवं चिकित्सा

देशभर में 20 स्टेट ऑफ द आर्ट अस्पताल हैं जिनमें कर्मचारियों, उनके आश्रितों तथा आसपास के लोगों के लाभ के लिए लगभग 4500 बिस्तर हैं। इनका प्रबंधन लगभग 6000 डॉक्टरों, चिकित्सा तथा पैरामेडिकल स्टॉफ एड्स कंट्रोल आरगेनाइजेशन (एनएसीओ) स्वास्थ्य परिवार कल्याण मंत्रालय के साथ मिलकर एक एड्स जागरूकता एवं नियंत्रण कार्यक्रम शुरू किया है। अब तक सभी संयंत्रों/इकाइयों में एनएसीपी–II की नीतियों को कार्यान्वित करने के लिए लगभग 320 लाख रूपये प्राप्त हुए हैं।

Visakha Steel General Hospital

क्षेत्रीय विकास

विभिन्न सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षणों से पता चला है कि सेल द्वारा किए गए प्रयासों से काफी लाभ हुआ है जो 8.15 किलोमीटर के दायरे के ग्रामीण इलाकों तक है। स्थानीय पंचायतों सामाजिक संगठनों तथा संबंधित क्षेत्र के लोगों के प्रतिनिधियों के साथ–साथ राज्य सरकार, जिला प्रबंधन के साथ गहन समन्वय में प्रत्येक संयंत्र द्वारा कार्यक्रम चलाए गए हैं। गत 5 वर्ष में प्रत्येक वर्ष विभिन्न संयंत्रों ने अपने आवंटित बजट में से 100 लाख रूपये खर्च किए हैं।

शिक्षा

कर्मचारियों के बच्चों तथा आश्रितों की सर्वोत्तम शिक्षा की व्यवस्था करने के लिए सेल ने लगातार प्रयास किया है। गत वर्षों में इसने इस्वात बस्ती में लगभग 200 स्कूल खोले हैं जिनमें 6000 से अधिक अध्यापकों को नियुक्त किया गया जो 1,00,000 से अधिक बच्चों को आधुनिक शिक्षा देते हैं। भिलाई इस्पात संयंत्र ने छत्तीसगढ़ क्षेत्र के 36 आदिवासी बच्चों को गोद लिया है तथा उसके लिए निःशुल्क शिक्षा भोजन और आवास की व्यवस्था कर रहा है।

खेल तथा सांस्कृतिक गतिविधियां

सेल ने काफी समय से खेलकूद का विकास तथा पोषण किया है तथा भिलाई राउरकेला तथा बोकारो में क्रमशः हैंडबॉल, हॉकी तथा फुटबाल की अकादमियां भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) के साथ मिलकर स्थापित किए गए संयुक्त उद्यम हैं। प्रशिक्षण के फलस्वरूप इन अकादमियों को गर्व है कि उन्होंने राष्ट्रीय, राष्ट्रमंडल तथा एसएएफ चैम्पियन तैयार किए हैं। सेल की 4200 रूपये प्रति वर्ष की छात्रवृत्ति

भी है, जिससे सेल परिवार के लगभग 30 बच्चों को राष्ट्रीय पदक प्राप्त करने अथवा राष्ट्रीय टीम में चयन होने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

प्राकृतिक आपदा के दौरान सहायता

बाढ़ भूकंप आदि प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित लोगों की सहायता करने तथा उनके राहत की व्यवस्था करने के लिए सेल के कर्मचारी सदैव तत्पर रहते हैं। 21.5.1997 को जबलपुर तथा 26.1.2001 को गुजरात में आए भयंकर भूकम्प तथा अक्टूबर 1999 और अक्टूबर 2001 को उड़ीसा पूर्वी समुद्री तट पर आए चक्रवात जैसी हाल की हुई प्राकृतिक आपदाओं में सेल के कर्मचारियों ने वित्त, राहत की सामग्री, चिकित्सा आपूर्ति, मकान तथा स्कूल के निर्माण जैसी हर संभव तरीके से सहायता की विशेष रूप से 1999 में उड़ीसा में आए चक्रवात में सेल की ओर से बीएसपी के जरिए एकत्रित 1.00 करोड़ रूपये की राहत सामग्री वितरित की गई। इस वर्ष आए सुनामी आपदा के लिए सेल ने प्रधानमंत्री राहत कोष में 100 करोड़ एकत्रित कर जमा किया।

एनएमडीसी लिमिटेड

एनएमडीसी लगन और निष्ठापूर्वक अपने सामाजिक उत्तरदायित्वों का निर्वहन कर रही है।

शिक्षा

हमारे बैलाडिला लौह अयस्क परियोजना, खदान नं0 5 एक भवन सरकार के द्वारा विशेष रूप से आदिवासी लोगों के लिए मिडिल स्कूल चलाने के लिए दिया गया है। इसके अतिरिक्त मुफ्त आवासीय सुविधाएं और चिकित्सा सुविधाएं भी शिक्षक कर्मचारियों के लिए दी जा रही है। विद्यालय भवन का निर्माण/विस्तार कार्य/विद्यालय में अतिरिक्त कमरों का निर्माण आदिवासी छात्रों को फायदा पहुंचाने के लिए आस–पास के कई गांवों में लिया जा रहा है।

राज्य सरकार उन लोगों विशेषकर युवा आदिवासियों के लिए भॉसी में उपयुक्त स्थान की तलाश की जा रही थी। एनएमडीसी ने पूरी अधः सरंचनात्मक सुविधाएं जिसमें शिक्षक कर्मचारियों के लिए आवसीय सुविधाएं और छात्रों के लिए छात्रावास शामिल है। छात्रावास का पूरा जीर्णोद्धार कार्य एनएमडीसी द्वारा किया गया है।

आदिवासी बच्चों के लिए मुफ्त शिक्षा सुविधाएं जो हमारे परियोजना विद्यालय में शिक्षा के लिए आते हैं, मुहैया करायी जाती है। इसके अतिरिक्त हम लोगों ने प्रत्येक अकादमिक वर्ष में पांच फ्रीशिप नजदीक क क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासी बच्चों के लिए डीएवी विद्यालयों में व्यवस्था की है। एनएमडीसी नियमित तौर पर मरम्मत/जीर्णोद्धार कार्य परियोजना में आस–पास के कई सारे विद्यालयों के लिए करवा रही है। जिसमें विद्युतीकरण शामिल है जहां स्थानीय आदिवासी बच्चे अध्ययनरत है, निश्चित विद्यालयों में युनीफार्म, टैकसैट बुक या पूर्ति आदि को छोड़कर। उपर्युक्त नकद इनाम सभी आदिवासी बच्चों को जो निश्चित चिन्हित आदिवासी विद्यालयों से पांचवी कक्षा बोर्ड की परीक्षा उत्तीर्ण करते हैं, की स्थापना उनमें शिक्षा के प्रति सकारात्मक रूझान उत्पन्न करने के लिए किया गया है।

निगम के नियोक्ताओं के बच्चों के लिए छात्रवृत्ति योजना प्रारम्भ की है जो अनुसूचित जाति / जन जाति के उम्मीद्वारों को आरक्षण देते हुए बरक्स सामान्य उम्मीद्वारों के बरक्स अंकों का प्रतिशत घटा दिया गया है।

बैलाडीला में एनएमडीसी द्वारा स्थानीय लोगों को रोजगार देने हेतु अप्रेन्टिस योजना के तहत तकनीकी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह स्थानीय आदिवासियों को उपयुक्त प्रशिक्षण प्राप्त करने और रोजगार प्राप्त करने में सक्षम बनाता है। बैलाडीला खदान सं0 14, 53 एसी/एस टी उम्मीद्वारों को प्रोजेक्ट ट्रेनिंग इन्स्टीट्यूट में विशेष प्रशिक्षण / कोचिंग द्वारा बैंकिग क्लर्क स्तरीय परीक्षा की जानकारी दी गई है, जो बैंकिंग सेवा भर्ती बोर्ड, भोपाल द्वारा आयोजित की जाती है।

हम लोगों ने चतुर्दिक विकास कार्यक्रम के तहत एक नायाब कार्यक्रम शुरू किया है जिसमें आठवीं पास उम्मीद्वारों को खनन के कौशल, तकनीक की जानकारी देकर रोजगार पाप्त करने में मदद की जाती है। इस एक वर्ष की जानकारी वाले कार्यक्रम में उन्हें 1200/– प्रतिमाह आत्मनिर्वाह और अन्य खचों के लिए दिया जाता है। इसके अतिरिक्त उन्हें नाश्ता, लंच और अलग यूनीफार्म में आर्थिक छूट दी जाती है। अब तक 150 से ज्यादा व्यक्तियों ने ऐसे प्रशिक्षण को प्राप्त किया है।

एनएमडीसी ने वोकेशनल कोर्स के लिए भी बैलाडीला में भवन बनाए हैं। महिला संगठन भारत मठ महिला जागरण समिति ने एससी/एसटी/ ओबीसी महिलाओं को उनकी रोजी–रोटी चलाने के लिए सिलाई मशीन, व्यस्क साक्षरता, घरेलू वस्तुएं, छोटी आटा चक्की आदि प्रदान किए और उनके आय अर्जन को ध्यान में रखते हुए चलाना भी सिखाया।

चिकित्सा सुविधाएं

दान्तेवाड़ा जिले के परियोजना अस्पतालों में रह रहे आदिवासियों को निःशुल्क भोजन के साथ–साथ परिवार कल्याण से संबंधित सलाह देने तथा इसके ऑपरेशन करने सहित सभी मामलों में निःशुल्क चिकित्सा सहायता बाह्य रोगी के साथ–2 भर्ती रोगियों को भी दी जा रही है। एम्बुलेंस के अलावा भर्ती आदिवासियों के परिवारवालों के ठहरने के लिए एक आराम गृह बनाया गया है।

एनएमडीसी परिवार नियोजन के मामले में भी आदिवासियों को सलाह–मशविरा दे रहा है। इसके अतिरिक्त परियोजना अस्पतालों में मुफ्त परिवार नियोजन, नसबंदी भी की जाती है। राज्य सरकार के छोटे परिवार मापदंड को आदिवासियों के बीच भी पहुंचाने के लिए प्रयासरत है। यहां तक कि हमारे प्रोजेक्ट क्षेत्र से बाहर राज्य सरकार द्वारा आयोजित शिविरों में भी महिलाओं को मुफ्त साड़ियां, धोतियां प्रदान की जाती हैं।

आसपास के गांवों में प्राथमिक स्कूल के बच्चों के लाभ के लिए एनएमडीसी द्वार स्वास्थ्य जांच कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

बैलाडिला परियोजना सक्रिय रूप से जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे सभी नेत्र चिकित्सा शिविरों से जुड़ा हुआ है, जिसमें दाँतेवाड़ा जिला में हाल में परियोजना अस्पताल में सबसे बड़ा नेत्रदान शिविर शामिल है जो आदिवासियों के फायदे ओर दूसरे जो प्रोजेक्ट डॉक्टर/स्टॉफ वाहन की जिला प्रशासन द्वारा उस उद्देश्य के लिए जब भी मांग की जाती है, उसे मुहैया कराते हैं। मरीजों को मुफ्त साड़ी/धोती, ग्लास, चश्मा आदि दिया जाता है। उस तरह के शिविर के दौरान एससी/एसटी लोगों का दूसरे बीमारियों के लिए इलाज भी मुफ्त किया जाता है।

परियोजना डॉक्टरों की देखरेख में कीरान्डुल गांव, बड़े बचेली और नेरली में भी जनस्वास्थ्य केन्द्र स्थापित किए गए हैं। प्रोजेक्ट डॉक्टर समय–समय पर इन केन्द्रों का दौरा करते हैं।

एनएमडीसी ने मुख्यमंत्री राहत कोष छत्तीसगढ़ में जरूरतमंद आदिवासी मरीजों तथा महामारी से जूझने एवं इसकी रोकथाम के लिए सहयोग हेतू 1 करोड़ रूपए की सहयोग राशि प्रदान की।

घरेलू पहल

हमारे बैलाडिला परियोजना में उपभोक्ता सहयोगी भंडार कर्मचारियों तथा गैर–कर्मचारी आदिवासियों के द्वारा अनाज, सब्जी और कपड़े की खरीददारी के लिए खोले गए हैं। दांतेवाड़ा जिले के बैलाडिला (डिपोजिट नं. 5 और 14) जो कि शहर के बीचों–बीच स्थित है, में आदिवासियों के उत्पादों की उपभोक्ताओं को सीधी बिक्री के लिए स्थानीय बाज़ार विकसित किए गए हैं। कीरान्डुल और बाचेली के इस प्रकार के 'हाट' में आदिवासियों के लिए रात्रि विश्राम की भी व्यवस्था है।

यह बाजार कीरान्डुल और बैलाडिला क्षेत्र के आसपास के विभिन्न गांवों के आदिवासियों के लिए मिलन स्थल का भी काम करता है। एनएमडीसी ने विशेष रूप से आदिवासियों के उपयोग के लिए 'हाट' क्षेत्र में विशेष प्लेटफार्म (पानी सुविधाओं सहित) का निर्माण कराया है। बाजार के बीच एक शेड भी डाला गया है, जहां आदिवासी जो बाजार अपना माल खपत के लिए लाते है।, रात्रि विश्राम कर सकते हैं।

कल्याणकारी उपाय

बैलाडिला परियोजना में, एनएमडीसी ने किरान्डुल और बचेली में स्थायी सामुदायिक केन्द्र स्थापित किए हैं। इसके अतिरिक्त इन केन्द्रों में नियमित अंतराल पर होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम आदिवासियों में काफी लोकप्रिय हैं। एससी/एसटी इम्प्लाइज़ वेलफेयर एसोसिएसन कार्यालय का वर्द्धित स्थान, पर्याप्त फर्नीचर और अन्य सुविधाओं के साथ परियोजना में सांस्कृतिक गतिविधियों/कार्यक्रमों के संचालन के लिए मुहैया कराई गई है। उन्हें इस प्रकार की गतिविधियों के आयोजन के लिए वित्तीय सहायता भी की जाती है।

आत्म–निर्भरता

एक प्राथमिक बैलाडिला आदिवासी और हरिजन बेरोजगार श्रमिकों की सहकारी सोसाइटी स्थानीय युवाओं और परियोजना के सक्रिय सहयोग से गठित हुआ है। शुरू में, सोसाइटी को छोटे–मोटे कार्य के ठेके दिए गए थे, जिससे वे अनुभव के साथ ही दूसरी सुविधाएं सहकारी सोसाइटी के रूप में प्राप्त कर सके। परियोजना का एक वरिष्ठ अधिकारी सोसाइटी के निदेशकों के बोर्ड में नामांकित हुआ है।

बरसों से बैलाडिला परियोजना ने बैलाडिला क्षेत्र में पर्यावरण की रक्षा के लिए आदिवासियों को रोजगार अवसर मुहैया कराने हेतू वृक्षारोपण के अनुबंध किए हैं। अब तक परियोजनाओं के आसपास लाखों फलदार वृक्ष लगाए गए हैं। हमारे सभी चतुर्दिक विकास कार्यों में स्थानीय निवासियों जो आदिवासी होते हैं, को जीविकोपार्जन देने के लिए संलग्न किया जाता है।

उपरोक्त प्रत्यक्ष फायदे के अतिरिक्त हमारे बैलाडिला क्षेत्र में निवेश ने स्थानीय जनसंख्या के लिए द्वितीय और तृतीयक रोजगार व्यापार अवसरों का सृजन किया है। अधः संरचना सुविधाओं जैसे सड़कें, रेलवे लाइन, सार्वजनिक यातायात, अस्पतालों, विद्यालयों, टी.वी. टावन/रिसीवर आदि की स्थापना के विकास से अत्यन्त दुर्गम क्षेत्रों में सामाजिक और आर्थिक वृद्धि के लिए अवसरों के द्वार भी खोले हैं। इसने 'उत्पाद' के लिए तैयार कराए हैं जो अन्यथा उपलब्ध नहीं था।

निगम ने आदर्श बेरोजगार युवक सहकारी सोसाइटी जो ज्यादातार एससी/एसटी सदस्यों से बनी है, को 11.5 लाख रूपए का नरम ऋण बस खरीदने के लिए अनुदान किया है और सोसाइटी को स्वरोजगार में प्रोत्साहन हेतु हमीर परियोजना से सटल बस चलाने का अनुबंध किया गया है। अनुभव प्राप्त करके, दूसरी परियोजना में भी इसी तरह की सोसाइटी गठित की और कंपनी वित्तीय सहायता देने के लिए तैयार हो गई है।

अवसंरचनात्मक सुविधाएं

कम्पनी द्वारा एक गांव को दूसरे गांव से जोड़ते हुए निम्नलिखित अवसंरचनात्मक विकास संबंधी कार्य किए जा रहे हैं।

(क) सड़क

(i) हिरोली कदमणल, बड़े बेचेली और निरली सभी मौसम के उपयुक्त सड़कें।
(ii) किरनडुला तथा चोलनाड़ के आसपास के गांव और माडाडी–किलपाल को पलनाड़ से जोड़ने वाले सभी मौसम में उपयुक्त सड़कें
(iii) किरणडुल से मालिंगर तक डब्लूबीएम सड़क
(iv) पीडब्लूडी की सड़कों पर तारकोल डालना राज्य के राजमार्गों की मरम्मत इत्यादि
(v) गर्वमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल, गर्वमेंट सरस्वती विद्यालय, बचेली जाने वाली लोक निर्माण विभाग की सड़कों की ब्लैक टॉपिंग।

(ख) पानी

(i) आसपास के गांव में पीने के पानी के लिए काफी संख्या में हैंड पम्प और पानी की टंकी की व्यवस्था की गई।
(ii) काफी संख्या में कुछ और नलकूप की गांवों में व्यवस्था करने की योजना है।

सामान्य

एनएमडीसी बेलाडीला परियोजना के आसपास के गांवों में जहां आदिवासी रहते हैं, सामाजिक–आर्थिक विकास के लिए वचनबद्ध है। विभिन्न कार्यक्रमों को राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ करीबी समन्वय से चलाया गया है।

मैंगनीज़ ओर (इण्डिया) लिमिटेड

मॉयल में लगभग 7169 कर्मचारी हैं जिनमें से 863 महिला कर्मचारी हैं। अपने नियमित सामाजिक दायित्वों के रूप में कम्पनी अपनी खानों में तथा इसके आसपास विभिन्न कल्याणकारी कार्यकलापों में लगी हुई है, जिसमें चिकित्सा शिविरों, शैक्षिक कार्यक्रमों का आयोजन, गांव को गोद लेना तथा सामाजिक

सांस्कृतिक कार्यक्रम — विशाखापतनम इस्पात संयत्र

वानिकी क्षेत्र आदि कार्य शामिल है। खनन क्षेत्रों में परिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने के लिए कम्पनी ने वनरोपण कार्यक्रम चलाए हैं। अब तक मॉयल ने लगभग 12 लाख छोटे वृक्ष लगाए हैं जो 80 प्रतिशत की दर पर बचे हैं।

बर्ड ग्रुप की कम्पनियां

उड़ीसा मिनरल डेवलपमेंट कारपोरेशन (ओएमडीसी) के अन्तर्गत एम्बुलेंस सुविधाओं सहित ठकुरानी में 20 बिस्तरों वाला एक अस्पताल कार्यरत है। आसपास के ग्रामीणों को इस अस्पताल में निःशुल्क चिकित्सा मिलती है। महिला रोगियों की चिकित्सा के लिए ओएमडीसी के अस्पताल में एक महिला मेडिकल ऑफिसर है। बिसरा स्टोन लाइम कम्पनी लि. (बीएसएलसी) का बीर मित्रपुर में एम्बुलेंस सुविधा सहित 40 बिस्तरों का एक अस्पताल है।

आसपास के ग्रामीण नाममात्र की फीस से यहां इलाज करा सकते हैं। इस अस्पताल के इमरजेंसी मामलों में राउरकेला स्थिति राउरकेला इस्पात संयंत्र के इस्पात जनरल अस्पताल में इलाज की संधि है। ओएमडीसी द्वारा समय–2 पर एक्स–रे, पेथोलॉजीकल प्रयोगशाला, आडियोमीटरी ईसीजी, लंग फंक्शन जांच, दंत चिकित्सा, ऑपरेशन थियेटर आदि जैसी सुविधाओं द्वारा स्वास्थ्य जांच की जाती है। सरकार के आरएनटीपीसी, पल्स पोलियो, मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रमों को भी ओएमडीसी तथा बीएलएलसी के अस्पतालों के माध्यम से आयोजित किया जाता है।

खोदे गए कुओं, ट्यूबवैलों आदि से पीने का पानी मुहैया कराया जाता है। दूरस्थ क्षेत्रों में पीने का पानी ले जाने के लिए कम्पनी के पास एक पानी की लारी है।